भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 2292

उत्तर देने की तारीख: 08.07.2019

ई-कक्षाएं

2292 डॉ. हिना विजयकुमार गावीतः

श्री कुलदीप राय शर्माः

श्रीमती सुप्रिया सदानंद सुलेः

श्री सुनील दत्तात्रेय तटकरेः

डॉ. अमोल रामसिंह कोल्हेः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान केन्द्रीय विद्यालयों में कम्प्यूटर समर्थित अधिगम हेतु आवंटित/खर्च की गई निधि का ब्यौरा क्या है;

(ख) देश के विभिन्न भागों में केन्द्रीय विद्यालयों में स्थापित किए गए ई-कक्षाकक्षों की संख्या कितनी है;

(ग) क्या सरकार ने उक्त ई-कक्षाकक्षों के उद्देश्यों को प्राप्त कर लिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो क्या सरकार ने उक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कोई लक्ष्य निर्धरित किया है;

(घ) क्या यह सच है कि शिक्षक ई-कक्षा-कक्ष सुविधा का उपयोग नहीं कर रहे है क्योंकि उनको पर्याप्त रूप से प्रशिक्षित नहीं किया गया है और यदि हां, तो इस संबंध् में सरकार द्वारा क्या सुधरात्मक कदम उठाए गए है; और

(ङ) सरकार द्वारा केन्द्रीय विद्यालयों में पढ़ने वाले सभी विद्यार्थियों को शामिल करने के लिए और ई-कक्षाकक्ष स्थापित करने के लिए क्या अन्य कदम उठाए गए है?

उत्तर

मानव संसाधन विकास मंत्री
(श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक')

(क): केंद्रीय विद्यालय संगठन (केवीएस) द्वारा केंद्रीय विद्यालयों (केवी) में कम्प्यूटर समर्थित शिक्षण में हुए व्यय को भारत सरकार द्वारा 'पूंजीगत परिसम्पत्ति सृजन' के लिए जारी अनुदान के साथ-साथ विद्यालय विकास निधि (वीवीएन) से पूरा किया जाता है। केंद्रीय विद्यालय में गत तीन वर्षों और चालू वर्ष के दौरान कम्प्यूटर समर्थित शिक्षण के लिए किए गए व्यय का विवरण निम्नानुसार है:

(रूपए करोड़ में)

वर्ष	व्यय
2016-17	86.81
2017-18	169.63
2018-19	201.60
2019-20	51.03

(ख): देश के विभिन्न भागों में स्थित केंद्रीय विद्यालय में 12011 ई-कक्षा-कक्ष स्थापित किए गए हैं।

(ग): डिजिटल प्रणाली के माध्यम से शिक्षा देने के उद्देश्यों को कुल मिलाकर इसके द्वारा प्राप्त कर लिया गया है, क्योंकि यह एक सतत प्रक्रिया है और प्रत्येक वर्ष नए छात्र विद्यालयों में प्रवेश लेते हैं। ई-कक्षा-कक्ष की प्रभावकारिता के अध्ययन के लिए किए गए तृतीय पक्ष सर्वेक्षण ने शिक्षा-अधिगम प्रक्रिया पर इसके सकारात्मक प्रभाव को दर्शाया है।

(घ): केंद्रीय विद्यालय के अध्यापक समुचित रूप से प्रशिक्षित हैं और उनके द्वारा कक्षा-कक्ष के शिक्षण-अध्ययन में ई-कक्षा-कक्ष सुविधाओं का नियमित प्रयोग किया जा रहा है। प्रधानाचार्य, क्षेत्रीय कार्यालय और केंद्रीय विद्यालय संगठन (मुख्यालय) द्वारा ई-कक्षा-कक्ष के उपयोग की निगरानी हेतु केंद्रीय विद्यालय संगठन द्वारा मल्टी डिवाइज मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर (एमडीएम) तैयार किया गया है।

(ड.): सरकार ने देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने हेतु आप्रेशन डिजिटल बोर्ड (ओडीबी) को आरंभ किया है। शिक्षण अंत:क्षेप जैसे -

ई-पाठशाला, ज्ञान साझा करने के लिए डिजिटल अवसंरचना (दीक्षा), राष्ट्रीय मुक्त शैक्षिक संसाधन रिपोजिटरी (एनआरओईआर), राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संवर्धित शिक्षण कार्यक्रम (नेप्टेल) और स्वयम-प्रभा, डायरेक्टर-टू-होम (डीटीएच) चैनल आदि के माध्यम से देश में केंद्रीय विद्यालयों सहित और अधिक ई-कक्षा-कक्षों के खोले जाने की उम्मीद है।

*****